Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 22-03-2005

Participants : Singh Shri Bijendra

>

Title: Increasing incidents of atrocities against Dalits and Minorities.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the speech of Chaudhary Bijendra Singh will be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: You should know, at least, I have given you two opportunities probably this week. This week, you have spoken. This is not the way to disturb the proceedings. At least, get yourself acquainted by this time. This House is functioning for nine months now.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक ज्वलंत समया और घटना की ओर दिलाना चाहता हूं, जिसके लिए सरकार की प्राथमिकता वचनबद्धता है। हिन्दुस्तान के लोकतंत्र में ताकतवर देश की जनता होती है। चाहे किसी प्रदेश की सरकार हो या देश की सरकार हो, अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए वचनबद्धता की प्राथमिकता होती है। 17 मार्च को अलीगढ़ में वहां के शासन की व्यवस्था, प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के ऊपर जो कहर, जो अंग्रेजी हुकूमत का ताण्डव किया गया, उसकी ओर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। अलीगढ़ में एक मुकंदपुर गांव है। वहां 48 मकान पिछली 17 मार्च को दोपहर 12 बजे जिले के वरिठ प्रशासनिक अधिकारियों, एस.पी. आरा, सी.ओ. और एस.ओ. की मिलीभगत के साथ बुलडोजर चलाकर तबाह कर दिए गए। इससे वहां रहने वाले तमाम लोगों की रोजी-रोटी और मकान आदि सब कुछ दब गया।

MR. SPEAKER: You write to the hon. Home Minister.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : मेरे हाथ में वह कागज है, जिसमें वहां की सरकार के एक मंत्री ने माना कि पुलिस दोाी है और वहां के अधिकारी भी दोाी हैं।

MR. SPEAKER: Please do not go in detail in regard to State matters.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहता हूं कि वह निर्देश दे कि जो गरीब बेघर हो गए हैं, उन्हें मुआवजा दिया VÉÉA[R23]। पुलिस ने वहां जो तांडव-नृत्य किया है, जिन अधिकारियों ने किया है, उनके खिलाफ कार्यवाही हो।

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: We shall see whether it relates to the State or the Centre.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : अध्यक्ष जी, यही नहीं, पुलिस ने वहां पर अवैधानिक रूप से कार्य किया है और जिस जगह को उन्होंने तोड़ा है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing about the Police.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed you but you are crossing the *lakshman rekha*. The House stands adjourned to meet again at 2.15 p.m.

13.15 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till fifteen minutes

past Fourteen of the Clock[lh24].

14.16 hrs.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at

sixteen minutes past Fourteen of the Clock.

(Mr. Speaker *in the Chair*)

MATTERS UNDER RULE 377*[m25]

MR. SPEAKER: Matters under rule 377 may be laid on the Table of the House.